हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 352 : जौनपुर, शनिवार 23 सितम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज - 4 मूल्य : 2 रूपया

करोड़ों लोगों ने हमें इतिहास रचने का मौका दिया, बीजेपी दफ्तर में महिला कार्यकर्ताओं से बोले मोदी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। लोकसभा और राज्यसभा में महिला आरक्षण बिल सर्वसम्मति के साथ पास हो गया है। बिल के पास होने के बाद दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में जश्न मनाया गया। पीएम मोदी के बीजेपी दफ्तर पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने फूल बरसाकर और मोदी–मोदी के नारे लगाकर स्वागत किया। इस दौरान पीएम मोदी ने महिला कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, मैं आज देश की सभी महिलाओं को बधाई देता हूं। कल और परसों हमने एक नया इतिहास बनते हुए देखे। ये हमारा सौभाग्य है कि करोड़ों लोगों ने हमें वो इतिहास रचने का मौक ा दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि यह विधेयक कोई सामान्य कानून नहीं है बल्कि नए भारत की नयी लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता का उद्घोष है। महिला आरक्षण बिल पर पीएम मोदी ने कहा, इस महिला आरक्षण बिल की राह में कई बाधाएं थीं। लेकिन जब इरादे नेक हों और प्रयासों में पारदर्शिता

हो तो हम सभी बाधाओं को पार करते हुए परिणाम देखते हैं। ये अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इस बिल को संसद में इतना समर्थन मिला। मैं इसके लिए सभी राजनीतिक दलों और सांसदों को धन्यवाद देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि कभी किसी किसी निर्णय में देश के भाग्य को बदलने की क्षमता होती है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम रिकॉर्ड मतों से पारित किया जा चुका है। जिस बात का देश को कई दशकों से इंतजार था, वह सपना अब पूरा हुआ है। यह देश और बीजेपी के कार्यकर्ताओं के लिए खास समय है। हर नारी का आत्मविश्वास आसमान छू रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण की बात करीब तीन दशक से की जा रही थी लेकिन पहले के प्रयासों में प्रतिबद्धता की कमी थी। मोदी ने कहा, "हम प्रतिबद्ध थे और हमने इसे पूरा करके दिखाया है। महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इन प्रयासों के चलते ही महिलाएं पिछले करीब एक दशक में एक शक्ति के रूप में उभरी हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और समाजवादी पार्टी (सपा) जैसे दलों पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि यही कारण है कि संसद में महिला आरक्षण विधेयक की प्रतियां फाड़ने वाले राजनीतिक दलों को भी इस बार इसका समर्थन करना पड़ा। उन्होंने कहा कि हर पार्टी को इसका समर्थन करना पड़ा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भाजपा का सौभाग्य है कि उसकी सरकार को विधेयक पारित कराने का मौका मिला। उन्होंने प्रस्तावित कानून को एक ऐसा कदम बताया जो महिलाओं में नया आत्मविश्वास भरेगा और आगे बढ़ने के लिए भारत की ताकत बढ़ाएगा। राष्ट्रपति की मंजूरी और उसके बाद अधिसूचना जारी होने के बाद संविधान संशोधन विधेयक जल्द ही कानून बन जाएगा।भाजपा मुख्यालय में बड़ी संख्या में मौजूद महिलाओं की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उन्होंने कहा कि यह 'मोदी की गारंटी को पूरा करने का सबूत है कि वह महिला नीत विकास के एक नए युग की शुरुआत करेंगे। महिलाओं के कल्याण के लिए अपनी सरकार की कई योजनाओं और फैसलों का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि बीते नौ वर्षों में सरकार ने माताओं–बहनों से जुड़ी हर बंदिश को तोड़ने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा, "हमारी सरकार ने एक के बाद एक ऐसी योजनाएं बनाईं, ऐसे कार्यक्रम शुरू किए हैं, जिनसे हमारी बहनों को सम्मान, सुविधा, सुरक्षा और समृद्धि का जीवन मिला। इससे पहले बीजेपी मुख्यालय में पीएम मोदी के पहुंचने पर महिलाओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इनमें सरकारी योजनाओं की लाभार्थी कई महिलाएं भी शामिल थीं। मोदी लाभार्थियों के एक समूह का अभिवादन करते हुए झुके। लाभार्थियों के इस समूह ने माला पहनाकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा और केंद्रीय मंत्रियों निर्मला सीतारमण एवं स्मृति ईरानी सहित पार्टी के कई नेता इस अवसर पर उपस्थित थे। नड्डा ने विधेयक के पारित होने को ऐतिहासिक बताया और इस उपलब्धि का श्रेय मोदी की दूरदर्शिता और संकल्प को दिया।

तेजस्वी यादव ने बिहार कार रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, कहा- बिहार कई पर्यटकीय स्थलों का संगम

एजेन्सी

पटना। शुक्रवार को माननीय उपमुख्यमंत्री सह पर्यटन मंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने बिहार कार रैली संस्कृति एवं विरासत का सफर को 5 देशरत्न मार्ग से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अपने संबोधन में तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि बिहार न केवल धार्मिक बल्कि आध्यात्मिक रूप से कई पर्यटकीय स्थलों का संगम है। यहां भगवान बुद्ध, महावीर, गुरु गोबिंद सिंह जी हुए, सीता मैया की जन्मभूमि यहीं है, समुंद्र मंथन जिस पर्वत से हुआ, वह मंदार पर्वत यहीं है। ऐसे सभी पर्यटकीय स्थलों का प्रचार प्रसार और वहां सुविधाओं का निर्माण करना हमारी सरकार का मुख्य उद्देश्य है। तेजस्वी ने आगे कहा कि बिहार के पर्यटन स्थलों के विविध तरीकों से ब्रांडिंग का कार्य पर्यटन विभाग के द्वारा किया जा रहा है। विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों, योजनाओं के जरिए राज्य के पर्यटन स्थलों का व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। हम लोगों ने कुछ दिन पहले फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन कर प्रतिभागियों को सम्मानित किया था। उसी दिन हमने बिहार के पर्यटन स्थलों की रील मेकिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ किया था, इसमें भी हजारों प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया है, इसका परिणाम थोड़े दिनों के बाद आने वाला

है। इस बीच आज से हम कार रैली को रवाना कर रहे हैं, जो बिहार के विभिन्न सांस्कृतिक और विरासत से जुड़े पर्यटन स्थलों तक जाएगी और वहां विविध माध्यमों से बिहार के पर्यटकीय स्थलों का प्रचार प्रसार करेगी। इस कार रैली में 15 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया जा रहा है, इनके अतिरिक्त 30 बाइक सवार भी शामिल हैं जो पटना शहर के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल सभ्यता द्वार से प्रारंभ होकर गया–बोधगया–गेहलौर घाटी–राजगीर होते हुए रोहतास के तुतला भवानी जलप्रपात तक जाएंगे। विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह ने कहा कि पटना से बोधगया के कन्वेंशन सेंटर पहुंचने के बाद गया जी धाम में विष्णुपद मंदिर दर्शन फिर शाम में बोधगया में हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया। वहीं दूसरे दिन बोधगया से सभी दशरथ मांझी द्वार के लिए रवाना हो जाएंगे। इसके बाद सभी विश्व शांति स्तूप राजगीर पहुंचेंगे। राजगीर से वापस रैली बोधगया आएगी। तीसरे दिन कार रैली बोधगया से तुतला भवानी जलप्रपात, रोहतास के लिए रवाना होगी और वहां सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। तेजस्वी यादव ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बिहार कार रैली संस्कृति एवं विरासत का सफर अपने नाम की सार्थकता व उद्देश्यों को पूर्ण करते हुए बिहार के पर्यटकीय स्थलों का व्यापक प्रचार–प्रसार करेगी। मौके पर बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक नंदकिशोर, पर्यटन निदेशक विनय कुमार राय, उप निदेशक प्रदीप गुप्ता, अजय कुमार आदि पदाधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद थे।

नौकरी के बदले जमीन घोटाले में लालू प्रसाद यादव की बढ़ी मुश्किल, कोर्ट ने भेजा समन

एजेन्सी

नयी दिल्ली। नौकरी के बदले जमीन घोटाले से संबंधित मामले में दिल्ली की एक अदालत ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता लालू प्रसाद और उनके बेटे, पत्नी सहित अन्य के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के नए आरोप पत्र पर संज्ञान लिया। गुरुवार को सीबीआई ने राउज एवेन्यू कोर्ट की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश गीतांजलि गोयल को सूचित किया था कि तीन आरोपियों महीप कपूर, मनोज पांडे और पी. एल. बैंकर के खिलाफ मंजूरी दी गई है। 12 सितंबर को कोर्ट को बताया गया कि मामले में नए आरोप पत्र में लालू के खिलाफ गृह मंत्रालय से मंजूरी मिल गई है। शुक्रवार को गोयल ने ताजा आरोपपत्र पर संज्ञान लेते हुए सभी आरोपियों को समन जारी किया। सीबीआई ने 8 अगस्त को कहा था कि आरोपी लालू प्रसाद, महीप कपूर, मनोज पांडे और पी. एल. बैंकर के संबंध में अभी भी मंजूरी नहीं मिली है। जुलाई में अदालत ने लालू प्रसाद और अन्य आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी लेने के लिए सीबीआई को समय दिया था। गोयल ने जांच एजेंसी को समय दिया था क्योंकि उसने इस आशय की प्रार्थना की थी। सीबीआई ने 18 मई, 2022 को लालू प्रसाद और उनकी पत्नी, दो बेटियों और अज्ञात लोक सेवकों और निजी व्यक्तियों सहित 15 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। 3 जुलाई को जांच एजेंसी ने लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और उनके बेटे और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। सीबीआई के एक अधिकारी ने पहले कहा था। 2004–2009 की अवधि के दौरान, लालू प्रसाद (तत्कालीन रेल मंत्री) ने रेलवे के विभिन्न क्षेत्रों में समूह श्डीश पदों पर स्थानापन्न नियुक्तियों के बदले में अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर भूमि संपत्ति के हस्तांतरण के रूप में आर्थिक लाभ प्राप्त किया था। पटना के कई निवासियों ने स्वयं या अपने परिवार के सदस्यों के माध्यम से अपनी जमीन लालू के परिवार के सदस्यों द्वारा नियंत्रित एक निजी कंपनी के पक्ष में बेच दी।

पीएम मोदी आज वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की रखेंगे आधारशिला

एजेन्सी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में शनिवार को एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की आधारशिला रखेंगे। साथ ही संसद में पारित हुए महिला आरक्षण विधेयक के सिलसिले में महिलाओं की एक रैली को संबोधित करेंगे। वाराणसी मंडल के आयुक्त कौशल राज शर्मा ने बताया कि, "प्रधानमंत्री मोदी शनिवार दोपहर लगभग डेढ़ बजे वाराणसी में राजातालाब के गांजरी में बनने वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की आधारशिला रखेंगे। सूचना विभाग के एक अधिकारी के अनुसार इसके बाद मोदी महिला आरक्षण से संबंधित 'नारी शक्ति वंदन विधेयक के पारित होने के उपलक्ष्य में संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के मैदान में महिलाओं की एक रैली को संबोधित करेंगे। उनके मुताबिक इस रैली को संबोधित करने के बाद मोदी रुद्राक्ष अंतर्राष्ट्रीय कोऑपरेशन और कन्वेंशन सेंटर पहुंचेंगे और काशी संसद सांस्कृतिक महोत्सव 2023 के समापन समारोह में भाग लेंगे। वह 16 नवनिर्मित

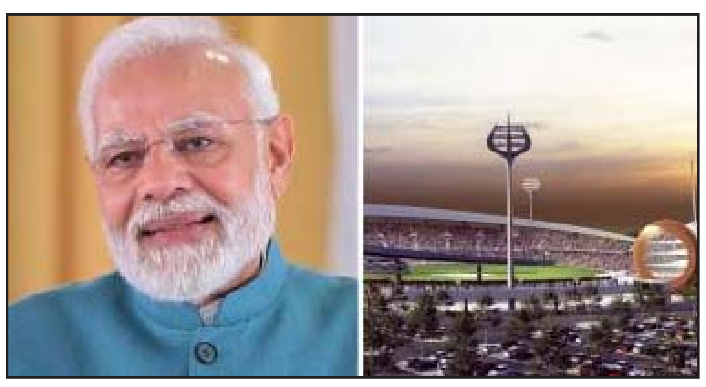

अटल आवासीय विद्यालयों का उद्घाटन भी करेंगे। प्रधानमंत्री के दोपहर डेढ़ बजे हवाई मार्ग से वाराणसी पहुंचने की उम्मीद है और वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में लगभग सात घंटे बिताएंगे। मोदी ने 2014 और 2019 में वाराणसी संसदीय क्षेत्र से चुनाव जीता है। एक सरकारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने स्टेडियम के लिए भूमि अधिग्रहण पर 121 करोड़ रुपये खर्च किए हैं जबकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) इसके निर्माण पर 330 करोड़ रुपये खर्च करेगा। कौशल राज शर्मा ने बताया कि क्रिकेट स्टेडियम के शिलान्यास के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के साथ सचिन तेंदुलकर, कपिल देव, रवि शास्त्री, सुनील गावस्कर सहित कई प्रख्यात क्रिकेट खिलाडिघ्यों के मौजूद रहने की संभावना है।इससे पहले, प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में बृहस्पतिवार को बताया कि वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम आधुनिक विश्व स्तरीय खेल बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक कदम होगा।

मध्य प्रदेश में 1993-2003 के बीच बदली थी महिलाओं की स्थिति : दिग्विजय सिंह

एजेन्सी

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने संसद में पारित महिला आरक्षण विधेयक के बीच अपने शासनकाल (1993–2003) में महिलाओं की स्थिति में आए बदलाव का ब्यौरा जारी किया। पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा जारी किए गए ब्यौरे के अनुसार, राज्य में वर्ष 1993–2003 के बीच हमारी सरकार ने सबसे पहले पंचायती राज व्यवस्था लागू की, जिसके तहत हमने त्रिस्तरीय पंचायतों के चुनावों में महिलाओं को आरक्षण दिया था। साथ ही सरकारी, अर्द्ध सरकारी, पंचायत, स्थानीय और सहकारी संस्था की नौकरियों में 30 प्रतिशत पदों को महिलाओं लिए आरक्षित किया था। अकेले स्कूल शिक्षा विभाग में शिक्षकों के 30 प्रतिशत पदों पर महिलाओं की नियुक्ति हुई। प्रदेश में उस वक्त कुल 1 लाख 47 हजार शिक्षकों में से 1 लाख 31 हजार 103 महिला शिक्षक कार्यरत थीं। उन्होंने अपने शासनकाल का विवरण देते हुए बताया कि 10 वर्ष के कार्यकाल में 13 महिला सहकारी बैंकों को संचालित किया गया था। प्रत्येक नवगठित सहकारी संस्था में कम से कम एक तिहाई महिला सदस्य होना अनिवार्य किया था। सहकारी संस्था के संचालक मंडल में भी महिलाओं को आरक्षण दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया है कि कांग्रेस के 10 वर्षों के कार्यकाल में तेंदु पत्ता मुंशियों के 50 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए सुरक्षित किए। वनोपज संग्राहकों के कार्ड में पति–पत्नी दोनों के नाम दर्ज करना अनिवार्य बनाया। राजीव गांधी जल ग्रहण क्षेत्र विकास मिशन के तहत 7500 से अधिक महिला अल्प बचत और साख समूह गठित किए थे। महिला स्वयं सहायता समूहों के गठन को प्राथमिकता दी तथा उस दौरान डेढ़ लाख से अधिक समूह गठित किए गए, जिसमें 15 लाख महिलाएं सहभागी बनीं। कृषि विस्तार सेवाओं में भी महिलाओं की तादाद बढ़ाई जिसमें सीधी भर्ती के सभी पदों पर महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार उनके शासनकाल में कांग्रेस सरकार ने पुलिस मुख्यालय में राज्य स्तरीय महिला प्रकोष्ठ स्थापित किया और उस दौरान देश में उप पुलिस अधीक्षक और उप निरीक्षकों के 30 प्रतिशत तथा आरक्षकों के 10 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए थे।

झारखंड एचसी के न्यायाधीश कैलाश प्रसाद देव का निधन, सीएम हेमंत ने जताया शोक

एजेन्सी

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश कैलाश प्रसाद देव का आज सुबह रांची के मेडिका अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वहीं, न्यायाधीश कैलाश प्रसाद देव के निधन पर सीएम हेमंत सोरेन शोक जताया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक्स पर पोस्ट किया, माननीय झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस कैलाश प्रसाद देव जी के निधन का दुखद समाचार मिला। परमात्मा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे। वहीं, न्यायमूर्ति कैलाश प्रसाद देव के आकस्मिक निधन पर अधिवक्ता, धीरज कुमार ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि, न्यायमूर्ति कैलाश प्रसाद देव हम अधिवक्ताओं के बीच से न्यायमूर्ति के पद पर चयनित हुए थे। अधिवक्ताओं के प्रति उनका प्रेम, स्नेह और सम्मान के साथ–साथ युवा अधिवक्ताओं को प्रोत्साहित करने और सीखाने की जो जिज्ञासा उनमें थी, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।

सनातन धर्म मामले में सुप्रीम कोर्ट का तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन को नोटिस

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन और सनातन धर्म उन्मूलन सम्मेलन के आयोजकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने याचिका पर स्टालिन जूनियर, तमिलनाडु पुलिस और अन्य से जवाब मांगा। कोर्ट ने इसे शीर्ष अदालत के समक्ष लंबित अन्य हेट स्घ्पीच मामलों के साथ टैग करने से इनकार कर दिया। सुनवाई की शुरुआत में, पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर रिट याचिका पर विचार करने में अनिच्छा व्यक्त की और पूछा कि याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय का दरवाजा क्यों नहीं खटखटाना चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील दामा शेषाद्रि नायडू ने कहा कि संवैधानिक पदाधिकारी एक संपूर्ण आस्था के खिलाफ बोल रहे हैं, उन्होंने कहा कि बच्चों से एक विशेष आस्था के खिलाफ बोलने के लिए कहा जाता है और उन्हें मजबूर किया जाता है।

उन्होंने दावा किया कि वर्तमान मामले में, राज्य घृणास्पद भाषण फैला रहा है और राज्य सरकार द्वारा छात्रों को एक विशेष धर्म के खिलाफ बोलने के लिए परिपत्र जारी किए गए हैं। दलीलें सुनने के बाद शीर्ष अदालत ने मामले की जांच करने का फैसला किया और नोटिस जारी किया। इसने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि अदालत को पुलिस स्टेशन में परिवर्तित किया जा रहा है और ऐसे मामलों को उच्च न्यायालय द्वारा निपटाया जाना चाहिए।

लोकसभा चुनाव से पहले बढ़ा एनडीए का कुनबा, गठबंधन में शामिल हुई जेडीएस

एजेन्सी

नयी दिल्ली। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) मिलकर चुनाव लड़ेंगे। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इसका ऐलान किया। नड्डा ने कहा कि जेडीएस अब एनडीए का हिस्सा बनेगी। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हम जेडीएस का एनडीए में स्वागत करते हैं। इससे पहले जेडीएस नेता एचडी कुमार स्वामी ने नयी दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। शाह से मुलाकात के बाद एनडीए में शामिल होने की औपचारिकता पूरी हुई। कर्नाटक में लोकसभा की 28 सीटें हैं। इससे पहले विशेष सत्र के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस के अध्यक्ष एचडी देवेगौड़ा ने नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। देवेगौड़ा के बाद कर्नाटक के पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी ने भी पीएम मोदी से मुलाकात की। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद कुमारस्वामी जेपी नड्डा और अमित शाह से मिले और गठबंधन को लेकर औपचारिक वार्ता की। इस दौरान दोनों के बीच कर्नाटक में सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा हुई।

जेडीएस और बीजेपी कभी कर्नाटक में साथ थीं, मगर इस बार हुए विधानसभा चुनाव बीजेपी, जेडीएस और कांग्रेस ने अलग–अलग लड़ा। विधानसभा चुनाव में जेडीएस को बड़ा झटका लगा था। अब एक बार फिर बीजेपी और जेडीएस कर्नाटक में मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। साल 2019 के चुनावी आंकड़ों पर नजर डालें तो जेडीएस सिर्फ हासन सीट पर जीत पाई थी। जबकि मांड्या, बेंगलुरु (ग्रामीण) और चिकबल्लापुर सीटों पर बीजेपी ने जीत दर्ज की थी। हासन से पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना ने चुनाव जीता था, लेकिन 1 सितंबर को कर्नाटक हाईकोर्ट ने उनकी सांसदी रद्द कर दी थी।

झारखंड में डॉक्टरों की हड़ताल खत्म, हमलावरों की गिरफ्तारी के बाद फैसला

एजेन्सी

रांची। जमशेदपुर के महात्मा गांधी मेमोरियल कॉलेज हॉस्पिटल में डॉक्टर पर हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद झारखंड के डॉक्टरों ने शुक्रवार को अपनी हड़ताल वापस ले ली।

आईएमए और झारखंड हेल्थ सर्विस एसोसिएशन के फैसले के अनुसार राज्य के तमाम सरकारी और गैर–सरकारी हॉस्पिटल्स के डॉक्टर शुक्रवार सुबह छह बजे से हड़ताल पर थे। रांची के रिम्स, जमशेदपुर में एमजीएम सहित कई हॉस्पिटल्स में हड़ताली डॉक्टरों ने प्रदर्शन भी किया। हमलावरों की गिरफ्तारी की सूचना मिलने के बाद अपराह्न लगभग 12 बजे डॉक्टरों ने हड़ताल वापस ले ली और काम पर लौट गये। इसके साथ ही चिकित्सा व्यवस्था सुचारू ढंग से चालू हो गयी। आईएमए के स्टेट सेक्रेटरी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने हड़ताल वापस लिए जाने की घोषणा की।

हाईकोर्ट ने कौशल विकास मामले में चंद्रबाबू नायडू की याचिका की खारिज

एजेन्सी

हैदराबाद। पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को झटका देते हुए, आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कौशल विकास मामले में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने और उनकी न्यायिक हिरासत को रद्द करने की उनकी याचिका खारिज कर दी। विजयवाड़ा एसीबी अदालत द्वारा उनकी न्यायिक हिरासत 24 सितंबर तक बढ़ाए जाने के कुछ घंटों बाद उच्च न्यायालय ने, जिसने बुधवार को अपना आदेश सुरक्षित रखा था, शुक्रवार को वही फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति श्रीनिवास रेड्डी की एकल पीठ मामले में उनकी गिरफ्तारी और न्यायिक रिमांड को चुनौती देने वाले तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख के वकीलों की दलीलों से सहमत नहीं थी। हरीश साल्वे की ओर से पेश वकीलों ने दलील दी थी कि नायडू के खिलाफ मामला राजनीति से प्रेरित है। वकील ने अदालत को बताया था कि अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17 ए के तहत नायडू को गिरफ्तार करने से पहले राज्यपाल से पूर्व अनुमति नहीं ली थी। सीआईडी की ओर से मामले की पैरवी करने वाले मुकुल रोहतगी ने दलील दी थी कि पीसी अधिनियम की धारा 17ए लागू नहीं होती है, क्योंकि सीआईडी जांच 26 जुलाई, 2018 के संशोधन से पहले शुरू हुई थी। नायडू को इस मामले में सीआईडी ने 9 सितंबर को नंद्याल में गिरफ्तार किया था। अगले दिन, विजयवाड़ा में एसीबी कोर्ट ने उन्हें 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पूर्व मुख्यमंत्री को बाद में राजमुंदरी सेंट्रल जेल में स्थानांतरित कर दिया गया।

सम्पादकीय

तल्खी को टालें

आखिरकार, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का अपरिपक्व व्यवहार व दोहरापन दोनों देशों के संबंधों को उस मोड़ पर ले आया है कि हमें कनाडाई नागरिकों को वीजा देने पर रोक लगानी पड़ी है। खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में भारत की कथित भूमिका को लेकर किया गया प्रलाप निस्संदेह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि अपरिपक्व राजनय को भी दर्शाता है। वहीं ट्रूडो की राजनीतिक अस्थिरता से अपनी सरकार बचाने की कोशिशों से उत्पन्न हताशा को भी दर्शाता है। दूसरी ओर एक वरिष्ठ भारतीय राजनयिक का निष्कासन सुलगते रिश्तों की ज्वलनशीलता को बढ़ाने वाला ही था। बहरहाल, निज्जर हत्या प्रकरण में आधी–अधूरी जांच के बीच में ही निष्कर्ष रचने वाले ट्रूडो की बयानबाजी उनके उतावलेपन को ही उजागर करती है। निस्संदेह वे लगातार अलगाववादियों के हाथों में खेल रहे हैं। जाहिर है कि हमारी एकता–संप्रभुता को चुनौती देने वाले तत्वों के खिलाफ समय–समय पर कार्रवाई की मांग करके भारत ने कोई गलत कदम नहीं उठाया है। कोई दूसरा देश भी तो कनाडा की जमीन से उसकी संप्रभुता के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम का प्रतिवाद करता। पूरी दुनिया जानती है कि 'वसुधैव कुटुंबकमद्' के जीवन दर्शन पर चलने वाला भारत सदैव से ही अहिंसा की राह पर चलता रहा है। इतिहास गवाह है कि अहिंसावादी स्वतंत्रता आंदोलन के जरिये ही भारत ने अपनी आजादी हासिल की। ऐसे में किसी वांछित अभियुक्त की दूसरे देश में हत्या करवाना भारतीय नीति का हिस्सा हो सकता है, यह आरोप अविश्वसनीय है। जगजाहिर है कि कनाडा में पिछले दिनों भारत विरोधी प्रदर्शन, मंदिरों पर हमले, भारतीय राजनयिकों को निशाने पर लेने तथा देश की संप्रभुता को चुनौती देने वाले जनमत संग्रह कराने की कोशिशें की जाती रही हैं। जिसको कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो कथित अभिव्यक्ति की आजादी बताकर नजरअंदाज करते रहे हैं। आखिर किसी देश की संप्रभुता से खिलवाड़ और उसके नागरिकों पर हमलों को अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कैसे नजरअंदाज किया गया? दरअसल, कनाडा–अमेरिका व अन्य यूरोपीय देश गाहे–बगाहे अपनी सुविधा के अनुसार अभिव्यक्ति की आजादी तथा मानवाधिकारों का मुद्दा उछालते रहे हैं। जबकि अमेरिका और कनाडा आदि देशों में लगातार गोरी–चमड़ी वाले लोग अश्वेतों व अन्य उपमहाद्वीपों के लोगों के खिलाफ हेट क्राइम करते रहे हैं। जिनको वहां की सरकारें लगातार नजरअंदाज करती रहती हैं। यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत में गंभीर अपराधों में वांछित अभियुक्तों की सूची बार–बार ट्रूडो सरकार को उपलब्ध कराये जाने के बाद उनका प्रत्यर्पण भारत नहीं किया गया। आखिर भारत के खिलाफ लगातार अभियान चलाने वाले अलगाववादी नेताओं को कनाडा में ही शरण क्यों मिलती है? देश नहीं भूला है कि अलगाववादी नेताओं को खुश करने के लिये जस्टिन ट्रूडो ने भारत में चल रहे किसान आंदोलन को लेकर टीका–टिप्पणी की थी। क्या यह भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का उदाहरण नहीं था? देश विरोधी अलगाववादियों को लगातार शरण और समर्थन देने के बाद भारत की तरफ से प्रतिक्रिया स्वाभाविक थी। वर्तमान में तात्कालिक कारण सामने हैं, ऐसे में भारत की प्रतिक्रिया को समस्या के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। इसके बावजूद भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और उसकी अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी में अपनी साख है। कनाडा के विवाद में और अधिक न उलझकर भारत को अंतर्राष्ट्रीय राजनय की गरिमा को प्राथमिकता देनी चाहिए। भारत से लाखों छात्र अध्ययन व रोजगार के सिलसिले में कनाडा जाते हैं। इसके अलावा शेष भारत के तमाम लोग रोजगार व नौकरी के सिलसिले में लंबे अरसे से कनाडा में रह रहे हैं। जिन्हें लगातार खालिस्तानी चरमपंथी निशाने पर लेते रहे हैं। उनकी सुरक्षा को भारत सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए। बहरहाल, दुनिया तथा भारत के सिखों ने जिस तरह ट्रूडो के रवैये की आलोचना की है, उसे सुखद संकेत माना जाना चाहिए। विश्वास किया जाना चाहिए कि ट्रूडो भारत की भावनाओं का सम्मान करके यथाशीघ्र संबंध सामान्य बनाने की दिशा में पहल करेगा। साथ ही आस्ट्रेलिया आदि देशों की तरह अलगाववादियों को कायदे–कानूनों के दायरे में रहने की नसीहत देगा। यह भी कि घरेलू राजनीतिक जरूरतों के लिये विदेश व कूटनीति को विद्रूप नहीं बनाया जा सकता।

आज का राशिफल

मेष :– सुंदर भावनात्मक अभिव्यक्ति से निकट संबंधों में अच्छी छबि बनेगी। नैतिक जिम्मेदारियों में आपकी सजगता काबिले तारीफ होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

बृषभ :– काफी सारे अवरोधित कार्य के हल होने के आसार बनेंगे। कार्यक्षेत्र में अपनी बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाएंगे। किसी महत्वपूर्ण क्षेत्र में सगे–संबंधों का लाभ प्राप्त होगा।

मिथुन :– जीविका क्षेत्र में कार्यकुशलता का जौहर बिखेरेंगे। शिक्षा–प्रतियोगिता में समुचित परिश्रम के लिए मन केंद्रित होगा। महत्वहपूर्ण क्षेत्रों में उच्चस्तरीय लोगों का सहयोग मिलेगा।

कर्क :– महत्वपूर्ण कार्य के प्रति आलस्य न करें। शिक्षा–प्रतियोगिता में समुचित परिश्रम के लिए मन चिंतित होगा। परिजनों से भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा। आवेश में किये गये कार्य से हानि संभव।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में कुछ कठिनाई का अभास होगा। किसी नये कार्य की सार्थकता हेतु मन प्रयत्नशील होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या :– कुछ कठिनाइयों से मन नकारात्मकता से पभावित होगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य की तैयारी में समुचित साधन–व्यवस्था के लिए मन चिंतित होगा। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

तुला :– कार्यकुशलता व बौद्धिक क्षमता से जीविका क्षेत्र सफलता अर्जित करेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों की ब्यस्तता व क्रियाशीलता बढ़ेगी। किसी नये रिश्ते में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

वृश्चिक :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में धनाभाव अवरोधक होगा किंतु प्रियजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। अच्छी आशाएं आप में क्रियाशीलता बढ़ाएंगी।

धनु :– निराशा त्याग मन को आशावादी विचारों से सिंचित करें। कायरे के अत्याधिक बोझ से मन परेशान होगा। पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

मकर :– भावनाओं से उद्वेलित मन से गलतियां स्वभाविक हैं। किसी नये कार्य के प्रति मन केंद्रित होगा। निकट संबंधों में किसी की कटु वाणी मन को दुखित करेगी।

कुंभ :– कुछ नई जिम्मेदारियां मन पर दबाव बनाएंगी। अच्छी व्यवहार कुशलता से समाजिक मान–मर्यादा में वृद्धि होगी। शासन–सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

मीन :– जीवन की कठिनाइयों के कारण मन में हीन भावना न आने दें। अपनी क्षमताओ पर भरोसा रखें। पूर्वाग्रहवश मन में संबंधों के प्रति नकारात्मक को न पालें।

भारत-कनाडा सम्बन्ध सुधरें

कनाडा में एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या और उसे लेकर दिये गये वहां के प्रधानमंत्री के बयान को लेकर भारत–कनाडा के बीच कटुता बढ़ चली है जिसका कई तरह से असर पड़ सकता है। इससे जहां एक ओर दोनों देशों के बीच परस्पर व्यापार पर प्रभाव पड़ेगा वहीं इसके चलते दोनों देशों में रहने वाले सिखों और हिंदुओं के बीच भी रिश्ते खराब हो सकते हैं। इसके लिये बहुत जरूरी है कि भारत और कनाडाई सरकारें आपस में बात कर मुद्दों को सुलझाए। दरअसल ब्रिटिश कोलंबिया में एक कनाडाई सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के राजनयिक सम्बन्ध खराब हो चले हैं। सोमवार को अपनी संसद को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हत्या को भारत सरकार से जोड़ा। इतना ही नहीं, कनाडा ने भारत के राजनयिक को निष्कासित कर दिया। जवाबी कार्रवाई करते हुए भारत ने भी उनके समकक्ष कनाडाई अधिकारी को देश छोड़ने को कह दिया। इसके कारण दोनों देशों के राजनयिक रिश्ते कटु हो गये हैं जिसे सुधारे जाने की आवश्यकता है क्योंकि वहां रहने वाले हिन्दुओं को कनाडा छोड़ने की धमकियां भी मिलने लग गई हैं। हिन्दुओं को यह भी लगता है कि कनाडाई सरकार का झुकाव सिखों की तरफ ज्यादा

है। भारत और कनाडा के बीच 8.16 अरब डॉलर का व्यापार होता है। बड़ी संख्या में भारतीय मूल के परिवार वहां बसे हुए हैं। वर्ष 1900 के आसपास से बड़ी संख्या में लोगों का भारत से वहां जाकर बसना प्रारम्भ हुआ था। ज्यादातर लोग पंजाब प्रांत से गये थे और ब्रिटिश सैनिकों के तौर पर उनका जाना हुआ था। बाद के वर्षों में जब कनाडा शिक्षा का एक बेहतरीन हब बना तथा वहां रहन–सहन का स्तर बेहतरीन होने पर लोगों ने पहले तो वहां शिक्षा पाई और बाद में वे वहीं बस गये। 2021 की जनसंख्या के मुताबिक कनाडा में 7.70 लाख सिख और 8.28 लाख हिन्दू हैं जो कुल आबादी का क्रमशरू 2.0 एवं 2.3 फीसदी है। सिख बड़े व्यवसायी एवं खेतों के मालिक हैं तो वहीं हिन्दू ज्यादातर नौकरीपेशा हैं। आज भी पंजाब से जाने वालों का वह उच्च वरीयता वाला देश है, चाहे वे हिंदू हों या सिख। कनाडा में दोनों समुदायों के सम्बन्ध बनते–बिगड़ते रहे हैं। भारतीयों की यहां की राजनीति में अच्छी भागीदारी है और भारतीय मूल के कई लोग सरकार में मंत्री रहे हैं, जिनमें सिख काफी हैं। 1980 के दशक में भारत के खालिस्तानी आंदोलन को कनाडा के सिखों द्वारा मदद करने की बात सामने आती रहती थी। वहां के कई अलगाववादी सिख नेता इस आंदोलन को निर्देशित भी करते थे। कहा तो यहां तक जाता है कि भारत में अब यह आंदोलन चाहे समाप्त हो गया हो परन्तु कनाडा से इसकी सुगबुगाहटें अक्सर सुनाई दे जाती हैं। पिछले दिनों ब्रिटिश कोलम्बिया राज्य में एक गुरुद्वारे के बाहर कुछ नकाबपोशों ने अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी जिस पर बयान देते हुए कनाडाई पीएम ने इसमें भारत सरकार की संलिप्तता बतलाकर मामले को गरमा दिया। एक दूसरे के राजनयिकों के निष्कासन ने स्थिति को और भी बिगाड़ दिया है। बात यहीं तक नहीं रुकी। एक अन्य खालिस्तानी चरमपंथी गुरुपतवंत सिंह पन्नू का ऐसा वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वे हिन्दुओं को कनाडा छोड़ देने की चेतावनी देते हुए देखा गया है। पन्नू ने इस बात पर नाराजगी जताई है कि निज्जर के मारे जाने पर हिन्दुओं ने जश्न मनाया था। पन्नू का हिन्दुओं पर आरोप था कि वे न केवल भारत सरकार का समर्थन करते हैं बल्कि कनाडा में रहने वाले खालिस्तानियों की अभिव्यक्ति के अधिकार को कुचलने का पक्ष भी लेते हैं। इस वीडियो से वहां के हिन्दुओं में दहशत का माहौल है। हिन्दुओं का मानना है कि जस्टिन ट्रूडो के बयान से खालिस्तानी समर्थकों का हौसला बढ़ा है। एक हिन्दू संगठन के विजय जैन के अनुसार श्इस माहौल में हिन्दुओं के जीवन को खतरा है। वे कहते हैं कि ट्रूडो के रुख से खालिस्तानियों के हौसले बढ़ गये हैं। साफ है कि कनाडा में जो कुछ हो रहा है उससे अगर दोनों समुदायों के बीच तनाव और बढ़ता है तो इसका असर भारत पर भी पड़ेगा। च यह सच है कि भारत ने बड़ा नुकसान उठाकर और पीड़ा सहकर खालिस्तान आंदोलन से निजात पाई है। इसके कारण देश को अपनी एक प्रधानमंत्री को तक गंवाना पड़ा है। देश इस आंदोलन के नये आघात सह नहीं पायेगा। बहुत से छात्र–छात्राएं हैं जो कनाडा के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत हैं। अगर वहां का सामाजिक सौहार्द्र बिगड़ता है तो इसका बड़ा खामियाजा दोनों पक्षों को भुगतना पड़ सकता है। भारत सरकार को इस दिशा में तत्काल पहल करनी चाहिये क्योंकि हिन्दू हों या सिख, दोनों ही समुदायों में भारत के अपने लोग हैं। माना जा रहा है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई बड़े पैमाने पर कनाडा में खालिस्तानियों को आर्थिक मदद दे रही है और वह इस बात की कोशिश कर रही है कि खालिस्तान आंदोलन फिर से उभरे। उसके द्वारा की जा रही फंडिंग का उपयोग खालिस्तान के समर्थन में जुलूस निकालने, प्रदर्शन करने, पोस्टर, बैनर आदि के लिये किया जा सकता है जिससे वहां युवा सिख इससे प्रभावित हों। ऐसा होने पर खालिस्तानियों की हरकतें भारत में भी बढ़ सकती हैं। भारत सरकार को इस बात की जांच करनी चाहिये। इसके अलावा भारत और कनाडा के बीच सम्बन्धों को तत्काल सुधारने की जरूरत है। अगर यह आंदोलन कनाडाई सिखों के बीच उभरा तो उन देशों में भी फैल सकता है जहां खालिस्तान समर्थक सिख रहते हैं।

महिलाओ को मिला उनका हक

आदित्य नारायण

महिला आरक्षण विधेयक 27 साल की लम्बी प्रतीक्षा के बाद अब संसद से पारित होकर कानून बनने की प्रक्रिया में पहुंच गया है। 1996 में पहली बार श्री देवेगौड़ा की सरकार के दौरान जब इस विधेयक को पहली बार संसद में लाया गया था तो इसका भारी विरोध हुआ था। हालांकि श्री देवेगौड़ा ने 2001 में जनगणना कराने के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दे दी थी। उसके बाद स्व. वाजपेयी की सरकार के दौरान भी 1998 से कई बार प्रयास हुए मगर हर बार असफलता ही हाथ लगी। मगर 2010 में डा. मनमोहन सिंह की सरकार के दौरान यह राज्यसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण सीमा के साथ भयंकर शोर–शराबा और हंगामा होने के बाद मार्शल–पुलिस के साये में पारित हुआ। उस समय सत्ताधारी कांग्रेस, विपक्षी पार्टी भाजपा और दोनों कम्युनिस्ट पार्टियों ने इसका समर्थन किया और समाजवादी पार्टी, जनता दल (यू) और राष्ट्रीय जनता दल ने इसका कड़ा विरोध किया था। उनके विरोध का मुख्य कारण यह था कि ये दल 33 प्रतिशत आरक्षण के बीच पिछड़ी जाति की महिलाओं का भी आरक्षण चाहते थे। इन दलों का कहना था कि महिलाओं के लिए दिये जा रहे आरक्षण का लाभ वे ही महिलाएं उठा ले जायेंगी जो या तो राजनैतिक परिवारों से आती हैं अथवा शहरों में पढ़ी–लिखी हैं। इसमें गांवों की गरीब महिलाओं को कोई भागीदारी नहीं मिलेगी।

महिला आरक्षण विधेयक पारित हो जाने के बाद यह सवाल आज भी जस का तस बना हुआ है मगर इसके बावजूद वह बन्धन तो टूटा है जो पिछले 27 साल से खासतौर से 2010 के बाद से बन्धा हुआ था और राज्यसभा की मंजूरी के बावजूद यह लोकसभा में पारित नहीं हो पा रहा था। इस बार लोकसभा से ही मोदी सरकार ने शुरूआत की और राज्यसभा ने भी इसे पारित किया। विधेयक में अनुसूचित जाति व जन जाति की महिलाओं के लिए भी 33 प्रतिशत आरक्षण होगा। इसका मतलब यह हुआ कि इन जातियों का लोकसभा व विधानसभाओं में जो 22.5 प्रतिशत प्रतिनिधि चुनने का कोटा है उसे 33 प्रतिशत महिलाएं होंगी लेकिन यह कानून 2029 के चुनावों से पहले लागू नहीं हो सकेगा इसका विस्तार से वर्णन गृहमंत्री श्री अमित शाह ने लोकसभा में करके यह सिद्ध किया कि संसद में उन जैसा पारंगत संसदीय विद्वान भाजपा के पास है जिसमें उलझे हुए पेचीदा सवालों का सरल जवाब पेश करने की गजब की क्षमता है। भाजपा को बहुत दिनों बाद कोई विद्वान सांसद मिला है। खास कर अटल जी और श्री अडवानी के बाद। श्री शाह ने बताया कि महिला आरक्षण को लागू करने के लिए पहले जनगणना और चुनाव क्षेत्र परिसीमन आयोग की जरूरत क्यों पड़ेगी? 2026 तक लोकसभा की सदस्य संख्या जाम की हुई है। इस आशय का विधेयक 2001 में पारित किया गया था। 2021 में जो जनगणना होनी थी वह कोरोना काल की वजह से टाल दी गई। अब 2024 में लोकसभा चुनाव हैं। नई जनगणना इन चुनावों के बाद ही 2025 से शुरू की जा सकती है। इसके परिणाम के बाद परिसीमन आयोग का गठन होगा और वह भी जनगणना के अनुसार लोकसभा की सदस्य संख्या में वृद्धि करेगा जिसमें से 33 प्रतिशत महिलाओं का आरक्षण किया जायेगा। यह परिसीमन आयोग तय करेगा कि कौन सी सीट महिला के लिए आरक्षित की जाये। उसका फैसला निर्विवाद होता है क्योंकि उसके निर्णय को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती है। कांग्रेस की मांग है कि आरक्षण अभी से लागू किया जाये। यह काम यदि चुनाव आयोग की मदद से सरकार करती है तो उसके फैसले को पक्षपातपूर्ण माना जा सकता है। उसे न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है। मसलन किसी बड़े नेता की सीट यदि महिला के लिए आरक्षित कर दी जाती है तो भारी राजनैतिक विवाद खड़ा हो सकता है। अतः इस स्थिति को टालने के लिए ही संविधान में परिसीमन आयोग का प्रावधान किया गया है। यह प्रावधान मूल रूप से अनुसूचित जाति व जनजाति के लिए आरक्षित की जाने वाली सीटों के लिए था। अब महिलाओं के लिए आरक्षित सीटें भी इसके दायरे में आ जाएंगी। मगर फिलहाल आरक्षण 15 वर्ष के लिए ही होगा और बाद में इसके बढ़ाये जाने का दारोमदार संसद पर ही होगा। वास्तव में महिलों की संसदीय प्रणाली में शिरकत बढ़ाने के लिए भारत में बहुत लम्बे अर्से से बहस गैर सरकारी मंचों पर चलती रही है। इस सपने को पहली बार स्व. राजीव गांधी ने पंचायती राज प्रणाली में और स्थानीय निकायों में 1989 में साकार किया था। इसके बाद विधानसभाओं व लोकसभा में भी वाजिब शिरकत देने की बात उठने लगी जिसे अब 2023 में जाकर पूरा किया गया। लोकसभा में यह विधेयक लगभग सर्वसम्मति 454 व 2 के मुकाबले से पारित हुआ। अतः इसे पारित करने का श्रेय देश के सभी प्रमुख राजनैतिक दलों को दिया जाना चाहिए। बेशक बहस में सत्ता पक्ष व विपक्ष की ओर से श्रीमती सोनिया गांधी व राहुल गांधी ने पिछड़ी जातियों की महिलाओं के कोटे की पुरजोर वकालत की है मगर अंत में उनकी पार्टी ने विधेयक का समर्थन करके अपने राष्ट्रीय दायित्व को निभाने और महिलाओं के हक में लड़ने का परिचय उसी प्रकार दिया है जिस प्रकार विधेयक पेश करने वाली पार्टी भाजपा ने। अतः महिलाओं को उनका अधिकार देकर राजनैतिक जगत ने अपने सम्यक दायित्व को निभाया है।

शाहरुख की वापसी दर्शकों के बारे में क्या बताती है?

सीएनएन के फरीद जकारिया ने एक बार कहा था कि अमेरिका में राज्यसत्ता लोगों से अधिक प्रगतिशील है। लेकिन भारत और खासतौर पर हिंदीभाषी सिनेमा–जगत में लोगों ने अधिक प्रगतिशीलता दिखाई है। शाहरुख खान की नई फिल्म 'जवान' का दर्शकों ने जिस तरह खुले दिल से स्वागत किया है, उससे यह और स्पष्ट होता है। 'जवान' और 'पठान' की रिलीज से पहले शाहरुख का अधिकतर समय एक किस्म के निर्वासन में गुजर रहा था, जिसे उन्होंने ही चुना था। उनके बेटे पर ड्रग रैकेट से जुड़े होने के आरोप लगे थे। उनकी पिछली फिल्में अपेक्षानुरूप व्यवसाय नहीं कर पाई थीं। 'पठान' से पहले उनकी आखिरी फिल्म 'जीरो' 2018 में आई थी और वह दर्शकों और समालोचकों द्वारा नकारी गई शाहरुख की फिल्मों की लम्बी शृंखला की आखिरी कड़ी थी। एकबारगी लगा कि भारत ने अपने पसंदीदा सितारे को भुला दिया है। उन पर राष्ट्रविरोधी होने के आरोप भी लगाए जाने लगे थे। अपने दो समकालीन खान–सितारों की तरह शाहरुख भी खामोश कर दिए गए थे। उनकी तरफ से इस आशय के कोई बयान सामने नहीं आ रहे थे कि भारत को पाकिस्तान से क्रिकेट खेलना चाहिए, देश में बढ़ती असहिष्णुता पर उनकी कोई टिप्पणियां नहीं थीं, वे इंटरव्यू तक नहीं दे रहे थे। सोशल मीडिया पर वो जरूर सक्रिय थे, लेकिन नपी–तुली बातें ही करते थे।

कनाडा में खालिस्तानी षड्यंत्र

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा भारत पर खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप लगाए जाने और इसके साथ ही भारतीय राजनयिक को भी कनाडा से जाने के लिए कह देने पर हर कोई हैरान है। इस पर भारत द्वारा एक्शन लिए जाने और कनाडा के राजनयिक को भारत छोड़ देने के लिए कहे जाने पर दोनों देशों के रिश्ते उस जगह पर पहुंच गए हैं जहां से इनके सामान्य होने की उम्मीद फिलहाल करना बेनामी है। जी–20 सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मुलाकात के दौरान भी जस्टिन ट्रूडो को खालिस्तान समर्थकों की गतिविधियों पर सख्त हिदायत दी गई थी। इससे जस्टिन ट्रूडो खुद को मुश्किल स्थिति में पा रहे थे। जैसे–तैसे वह कनाडा पहुंचे तो उन्होंने भारत पर सीधा आरोप लगा दिया। खालिस्तान के मुद्दे पर भारत और कनाडा में तलवारें खिंचना कोई नई बात नहीं। इस तनातनी की पृष्ठभूमि काफी पुरानी है। खालिस्तानी पिछले 45 वर्षों से कनाडा में पनप रहे हैं लेकिन इसके बाद भी ट्रूडो सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। कनाडा में खधलिस्तानियों को संरक्षण मिलने के चलते भारत को अनेक जख्म मिल चुके हैं। पंजाब के आतंकवाद के काले दिनों को देशवासी कभी भूल नहीं पाएंगे।–क्या यह राष्ट्र भूल पाएगा जब पंजाब में बसों से एक ही समुदाय के लोगों को धनिकाल कर उन्हें गोलियों का निशाना बनाया गया। क्या यह देश भूल पाएगा जब खालिस्तानी आतंकवादियों ने 1985 में कनिष्क विमान को बम धमाके से उड़ा दिया था और इस हमले में कुल 329 लोग मारे गए थे।

दृक्या भारत पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या भूल सकता है।–लगभग दो दशक के आतंकवाद के दौर में पंजाब के नेताओं को चुन–चुन कर निशाना बनाया गया और पंजाब को नेता विहीन कर दिया गया।–आतंकवाद के पीड़ित परिवारों के आंसू आज तक नहीं थमे हैं।मैं स्वयं आतंकवाद पीड़ित परिवार से हूं। मेरे परदादा लाला जगतनारायण जी और मेरे दादा रमेश चन्द्र जी आतंकवादियों का निशाना बने थे। उनकी शहादत को मेरा परिवार कभी नहीं भूल सकता। कनाडा में सिखों के बसने का सिलसिला 20वीं सदी के पहले दशक में शुरू हुआ। इतिहासकारों की मानें तो ब्रिटिश कोलंबिया से गुजरते हुए ब्रिटिश सेना के सैनिक वहां की उपजाऊ भूमि देखकर आकर्षित हो गए। 1970 के दशक तक सिखों की मौजूदगी कनाडा में बहुत कम थी लेकिन 1970 के दशक में यह बदल गया। भारत ने मई 1974 में राजस्थान में पोखरण परमाणु परीक्षण किया। इससे कनाडा की सरकार नाराज हो गई। कनाडा का मानना था कि उसने भारत को शांति के मकसद से परमाणु ऊर्जा के लिए रिएक्टर्स दिए हैं। भारत ने कनाडू टाइप के रिएक्टर्स का प्रयोग किया था। उस समय पियरे ट्रूडो कनाडा के पीएम थे, खफा हो गए और भारत के साथ कनाडा के रिश्ते खराब हो गए। जिस समय यह सब हो रहा था उसी समय भारत में खालिस्तान आंदोलन को हवा मिल रही थी।

कई सिखों ने राजनीतिक उत्पीड़न का हवाला देते हुए कनाडा में शरणार्थी का दर्जा मांगा। एयर इंडिया बॉम्बिंग का मास्टरमाइंड खालिस्तानी आतंकवादी तलविंदर सिंह परमार भी उनमें से ही एक था। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक सन् 1982 में जब भारत में इंदिरा गांधी की सरकार थी तो कनाडा से परमार के प्रत्यर्पण की मांग की गई। परमार पर पुलिस अधिकारियों की हत्या का आरोप था लेकिन पियरे ट्रूडो के नेतृत्व वाली सरकार ने अनुरोध को मानने से इन्कार कर दिया था। ऐसा लगता है कि जस्टिन ट्रूडो अपने पिता के ही नक्शे कदमों पर चल कर खालिस्तानी समर्थकों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। कभी कनाडा में खालिस्तान के नाम पर जनमत संग्रह कराया जाता है। कभी वहां भारत की भावनाओं को अघात पहुंचाने केधलिए झांकियां प्रस्तुत की जाती हैं। कभी वहां हिन्दू धर्म स्थलों पर खालिस्तानी नारे लिखे जाते हैं और भारतीय दूतावासों पर लगे तिरंगे का अपमान किया जाता है। अब तो खालिस्तानी आतंकी पन्नू खुलेआम धमकियां दे रहा है कि कनाडा केवल खालिस्तानियों का है। हिन्दू यहां से अपने देश लौट आएं। इससे पहले भी आतंकी पन्नू लगातार भारत को धमकियां देता रहा है। यद्यपि कनाडा में अभिव्यक्ति की आजादी है लेकिन इसका इस्तेमाल हिंसा,अलगाववाद और आतंकवाद को सही ठहराने के लिए किया जा रहा है धजिससे भारत की चिंताएं बढ़ गई हैं। भारत यह कैसे सहन कर सकता है कि आतंकवादी निज्जर की हत्या का आरोप लगाते हुए भारतीय राजनयिकों की फोटो लगे पोस्टर वहां चिकपाए जाएं। सवाल यह हैध कि ट्रूडो सरकार खालिस्तानियों को संरक्षण क्यों दे रही है। इसका बड़ा कारण वोट बैंक की राजनीति है। कनाडा की राजनीति में सिखों का काफी महत्व है। कई परिषदों और कनाडा संसद में भी सिख सांसद हैं और जस्टिन ट्रडो की पार्टी को धसिखों का समर्थन प्राप्त है। इसलिए ट्रूडो सब कुछ देखकर भी अनजान बने हुए हैं। अब तो कनाडा में हिन्दुओं और सिखों में भी दूरियां बढ़ी हैं। दोनों देशों की तल्खी का परिणाम क्या होगा इस संबंध में भारत का स्टैंड बहुत सख्त है और एनआईए भारत के बाहर बैठे खालिस्तानी तत्वों और पंजाब में लगातार हत्याएं करवा रहे गैंगस्टरों से निपटने को तैयार है। यह सच सारी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान की खुफिया एजैंसी आईएसआई खालिस्तानी आतंकियों कोघ्फंडिंग करती है।

विवाहित ने लगाया घर में घुसकर छेड़छाड़ मारपीट का आरोप

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली थाना क्षेत्र के अर्गूपुर कला गांव निवासी विवाहिता ने पुलिस को तहरीर देकर गांव के ही एक युवक को घर में घुसकर छेड़छाड़ के साथ मारपीट व घर में रखा सामान को छतिग्रस्त करने का आरोप लगाया। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजिकृत मामले की जांच में जुटी। बीबीगंज चौकी क्षेत्र के अर्गूपुर कला गांव निवासी विवाहिता ने क्षेत्राधिकारी को तहरीर देकर आरोप लगाया कि 16 सितंबर की रात अपने बच्चों के साथ घर मे दरवाजा बंद कर सोई हुई थी उक्त गांव निवासी अमित तिवारी पीडिता के घर में पिछले रास्ते से बारजे के सहारे घर में घुसकर छेड़छाड़ करने लगा पीड़िता के विरोध करने पर मारपीट कर घर में रखी बाइक व टेबल फैन को तोड दिया। पीड़िता के शोर मचाने पर आरोपित पिछे के रास्ते से भाग गया। जिसकी सूचना पीडिता ने क्षेत्राधिकारी को दिया सीओ के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने गुरुवार को संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजिकृत मामले की जांच में जुटी।

सास ससुर पति समेत चार के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर शाहगंज कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत दहेज की मांग न पूरी होने पर विवाहिता ने मारने पीटने का आरोप लगाया है।महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन के आदेश पर विवाहिता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने गुरुवार को सास ससुर पति सहित चार लोगों के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही में जुटी है। क्षेत्र के सुरिस गांव निवासी नेहा की शादी हिंदू रीति रिवाज से जून 2022 में आजमगढ़ जनपद के दीदारगंज थाना क्षेत्र के मोलनापुर (मदार बक्सा) निवासी रिंकू के साथ हुई है। विवाहिता नेहा ने महिला एवं बाल सुधार संगठन प्रभारी को तहरीर देकर कर आरोप लगाया कि दहेज की मांग को लेकर ससुराल पक्ष के लोगों ने आए दिन उसको मारते पीटते रहते हैं। बीते दिनों एक लाख दहेज अपाचे बाइक व सोने की चौन की मांग को लेकर मारपीटे और दहेज लाने के लिए जबरदस्ती मायके छोड़ दिए।महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन प्रभारी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने गुरुवार को पति रिंकू, ससुर संतलाल, सास शारदा देवी, ननद निशा के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न का मुकदमा पंजीकृत करते हुए मामले की छानबीन में जुटी है।

छत से घर मे घुसे चोरों ने लाखों का गहना किया पार, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी।

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के पचेवरा गांव की घटना जौनपुर गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के पचेवरा गांव में शुक्रवार की रात को छत के रास्ते घर मे घुसे चोरो ने लाखों रुपये का गहना पार कर दिया। घटना की जानकारी भोर में परिवार के लोगों को हुई। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के पचेवरा गांव निवासी राज नाथ शर्मा के घर के लोग रात को खाना खाने के बाद बरामदे में सोने के लिए चले गए। महिलाएं भी बरामदे के एक कमरे में सो रही थी। भोर में जब घर की एक महिला सोकर उठी तो दरवाजा अंदर से बंद था। महिला ने सोचा कि घर का कोई सदस्य तो अंदर जाकर दरवाजे को बन्द तो नही कर लिया। लेकिन घर के सभी लोग बरामदे में ही थे। परिवार के लोग किसी तरह दरवाजे को खोलकर घर मे प्रवेश किये। घर के एक कमरे में रखी गोदरेज की आलमाड़ी को तोड़कर उसमे रखा एक सोने का हार, दो सोने की चेन, एक मंगल सूत्र, एक कान की झाली, दो जोड़ी नथिया, पांच सोने की अंगुठी चोर चुरा ले गए थे। चोर छत के रास्ते से घर मे घुसे थे। पीड़ित राजनाथ ने चोरी की सूचना डायल 112 व थाने की पुलिस को दिया। सूचना पर थाने के वरिष्ठ उप निरीक्षक राम शंकर पांडेय फोर्स के साथ पहुचकर जांच पड़ताल किए। घर के मुखिया राज नाथ शर्मा ने बताया कि चोरी हुए सोने व चांदी के गहनों की कीमत लगभग पांच लाख के ऊपर तक होगी। इस संदर्भ में पूछे जाने पर गौराबादशाहपुर थाने के वरिष्ठ उप निरीक्षक राम शंकर पांडेय ने बताया कि चोरी की सूचना पर मौके पर जाकर जांच पड़ताल की गई है। जल्द ही घटना घटना को अंजाम देने वाले चोरों को पकड़ लिया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों युवक ने लगाई फांसी हुई मौत

मायके से थाने पहुँची पत्नी ने समूहकर्मियों पर पैसा जमा करने का दबाव बनाने का लगाया आरोप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र के सड़ेरी गांव में शुक्रवार की रात्रि संदिग्ध परिस्थितियों में 28 वर्षीय युवक ने फाँसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर रात्रि में ही पहुँची पुलिस ने फंदे से लटकते मृत युवक के शव को उतरवाकर कब्जे में लेते हुए मर्चरी भेज दिया। उक्त गांव निवासी राजेन्द्र प्रजापति का पुत्र कुलदीप प्रजापति रात्रि में घर के सामने लगे पतरे में बांस के सहारे रस्सी के सहारे फांसी लगा लिया। कुलदीप के बड़े भाई ने घटना को देखा तो परिवार में कोहराम मच गया। रात्रि में ही सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। शनिवार को मायके से थाने पहुँची मृतक की पत्नी सीमा प्रजापति ने पुलिस को तहरीर देते हुए आरोप लगाई की नौपेड़वा बाजार में कैशपार माइक्रो क्रेडिट शाखा के समूह से मेरे नाम से 30 हजार रुपया ऋण लिया गया था जिसे मैं आर्थिक तंगी के कारण जमा नही कर पा रही थी। कैशपार कर्मचारियों द्वारा पैसा जमा करने के लिए प्रार्थनी व पति पर दबाव बनाया जा रहा था। सीमा ने बताया कि मैं बीते 19 सितंबर को मायके चली गयी थी। घटना के दिन शाम को पहुँचे दो कर्मचारियों ने पति से गाली गलौच करतें हुए घर पर रखे चार गाटर को बेच कर पैसा जमा करने का दबाव बनाने लगें। इसी बात से मानसिक रूप से प्रताड़ित पति ने आत्महत्या कर लिया। मृतक के दो नाबालिग बेटे व एक बेटी है। थानाध्यक्ष विवेक तिवारी ने बताया कि अभी तहरीर मेरे संज्ञान में नही है अगर ऐसा हुआ है तो जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

गुप्तारघाट के समीप सरयू नदी के निकट 75 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में बनेगा श्रीराम चलित मानस अनुभव केन्द्र।

अयोध्या। मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने अयोध्या धाम को विश्व स्तरीय पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने तथा यहां आने वाले गुप्तारघाट के समीप सरयू नदी के निकट 75 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में सुगमता से उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत अयोध्या के गुप्तारघाट के समीप सरयू नदी के निकट 75 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा प्राइवेट संस्था के माध्यम से विकसित की जाने वाले श्रीराम चलित मानस अनुभव केन्द्र के लिए चयनित स्थल का निरीक्षण किया।

विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस सप्ताह का होगा आयोजन

29 सितम्बर से 04 अक्तूबर तक होंगे विविध कार्यक्रम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर गाँधी रिसर्च फाउंडेशन, जलगांव की अपेक्षा के अनुरूप कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। 02 अक्टूबर को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस भी मनाया जायेगा.

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित किए जाने हेतु जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र को नोडल अधिकारी नामित किया है। 29 सितम्बर से 04 अक्टूबर तक विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस सप्ताह के अंतर्गत विविध कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे।

29 सितम्बर से कार्यक्रमों का शुभारम्भ गाँधी वाटिका से होगा। अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस सप्ताह के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता, सामाजिक सद्भाव पर रंगोली प्रतियोगिता, पर्यावरण संरक्षण पर पोस्टर प्रतियोगिता, अहिंसा, अनेकता में एकता, सामाजिक सद्भाव कविता एवं शांति पर गीत प्रतियोगिता, नशा मुक्ति के लिए जागरूकता कार्यक्रम, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम एवं महात्मा गाँधी पर फिल्म का प्रदर्शन किया जायेगा।

02 अक्टूबर को संगोष्ठी भवन में विश्वविद्यालय स्थापना दिवस समारोह के साथ ही विद्यार्थियों द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। आयोजन हेतु कुलपति ने समिति गठित की है जिसमें डॉ. नितेश जायसवाल एवं डॉ. श्याम कन्हैया सिंह को सह नोडल अधिकारी बनाया गया है. इसके साथ ही समिति में डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, सुनील कुमार, डॉ. अवध बिहारी सिंह, डॉ. अन्नू त्यागी, शशिकांत यादव, डॉ. राहुल राय, डॉ. अंकित सिंह, डॉ. अवधेश मौर्य एवं पंकज सिंह को शामिल किया गया है।

आशाराम निषाद फिर बने अयोध्या जिले के निषाद पार्टी जिलाध्यक्ष समर्थकों में छाई खुशी की लहर।

बीकापुर–अयोध्या। अयोध्या जिले में निषाद पार्टी को ऊंचाइयों पर ले जाने वाले तारुन ब्लाक क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत परसांवा महोला मजरे हरीपुर निवासी आशाराम निषाद पर विश्वास जताते हुये पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने उनके सिर पुनः पार्टी का अयोध्या जिले का ताज सौपा हैं।

निर्बल इंडियन शोषित हमारा आमदल निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने आशाराम निषाद की अयोध्या जिले में संगठन के प्रति वफादारी से खुश होकर यह जिम्मेदारी उन्हें दुबारा सौपी हैं।

बूथ अध्यक्ष पर छेड़खानी का मुकदमा दर्ज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बरसठी थाना अंतर्गत भाजपा बूथ अध्यक्ष काजू की पत्नी को मण्डल अध्यक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराना महंगा पड़ गया।मंडल अध्यक्ष की पत्नी ने काजू पाठक पर घर मे घुसकर छेड़खानी करने का मुकदमा दर्ज करा दिया है।दोनो भाजपा नेता के आमने सामने होने पर पार्टी में भीतर से भूचाल आ गया है।

बरसठी थाने पर आवादी की जमीन सम्बन्धी विवाद को लेकर बूथ अध्यक्ष व मंडल अध्यक्ष आये थे। एसओ के सामने दोनो पक्षो की बात चल ही रही थी कि मण्डल अध्यक्ष ने बूथ अध्यक्ष की पत्नी को अपशब्द कहते हुए गाली दे दिया।इसका वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने महिला सीता पाठक की तहरीर पर केपी मिश्रा के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ।उधर मुकदमा दर्ज होने के बाद मंडल अध्यक्ष की पत्नी के तहरीर के आधार पर काजू पाठक पर घर मे घुसकर छेड़खानी करने व जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज हो गया हैं।जिसको लेकर क्षेत्र में तरह–तरह की चर्चा है।

पिहानी पब्लिक स्कूल में विद्यार्थी परिषद का पद अलंकरण समारोह आयोजित

दिव्यांश सिंह व साधमा जहरा चुनी गई स्कूल की हेड

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। पिहानी पब्लिक स्कूल में शनिवार को विद्यार्थी परिषद का अलंकरण समारोह हुआ। मुख्य अतिथि रजनीश त्रिपाठी ने बैज एवम् पट्टिका प्रदान किए। इस अवसर पर रजनीश त्रिपाठी ने कहा कि विद्यार्थियों को उत्तम जीवन मूल्यों को आत्मसात करना चहिए। कहा कि कोई डॉक्टर तो कोई इंजीनियर बनना चाहता है। मगर, सफलता के लिए कड़ी मेहनत और लगन की जरूरत होती है। स्कूल में पढ़ाई का जो समय है, वो बहुत महत्वपूर्ण है। उसे बर्बाद नहीं जाने दें। यह फिर कभी लौटकर नहीं आएगा। पढ़ाई के लिए घंटे नहीं, बल्कि लक्ष्य तय करें। विद्यालय के शिक्षका सूजेड ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य अनिल कुमार ने बताया कि इस बार भी विद्यार्थी परिषद का निर्माण विद्यालय में शासन व्यवस्था बनाए रखने के लिए कराया गया। उन्होंने कहा कि यह विद्यार्थी परिषद विद्यालय की कई गतिविधियों में अहम भूमिका निभाती है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व गुणों, परिस्थिति विशेष में निर्णय लेने की क्षमता व प्रबंधन क्षमताओं का विकास करना भी है। विद्यालय की शिक्षिका सविता वैश्य ने बताया कि स्कूल में सीनियर ोवर्ग एवं मिडल ो दोनों स्तरों पर इस परिषद का निर्माण किया जाता है। अनुशासन दस्ता व आतिथ्य टीम आदि इस परिषद के मुख्य अंग हैं। उन्होंने बताया कि दिव्यांश सिंह व साधना जेहरा सीनियर हेड ब्वॉय व सीनियर हेड गर्ल के पद से अलंकृत किया गया।अलंकरण समारोह में बच्चों ने अपनी जिम्मेदारी को पूरी लगन व ईमानदारी से निभाने की शपथ ली। कार्यक्रम की व्यवस्थाएं स्कूल के व्यवस्थापक विपिन सिंह ने की। इस मौके पर शिक्षिका अन्यया, तनुजा जागृति पारुल आदि लोग मौजूद रहे।

एस० के० डी० एकेडमी में डॉटर्स डे मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राष्ट्रीय योजना ''बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ'' को ध्यान में रखते हुए एस0के0डी0 एकेडमी के द्वारा डॉटर्स डे का आयोजन पाँचों शाखाओं में किया गया एवं प्रत्येक विद्यार्थियों के लिए इस अवसर को अविस्मणीय बनाया गया।

इस कार्यक्रम की शुरूआत विद्यार्थियों द्वारा पुत्रियों पर कविता से किया गया, साथ ही सभी बेटियों को सावधानी एवं सुरक्षा के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया इसके बाद विद्यार्थियों ने डॉटर्स डे पर अपनी अपनी प्रस्तुति पेष किया। डॉटर्स ने हर क्षेत्र में अपने परिवार एवं समाज का नाम ऊँचा किया है उन सभी बेटियों का नाम सम्मानपूर्वक लिया गया। आज दुनिया के हर क्षेत्र मं लड़कियों की प्रतिभा को सम्मान मिल रहा है। मिलिट्री पुलिस की महिलाओं की टीम तैयार की जा रही है इसके अलावा सभी ने अपनी–अपनी प्रेरणाश्रोत बेटियों के बारे में बताया किसी ने अपनी बड़ी बहन को व किसी ने अपनी माँ को भी प्रेरणा का स्त्रोत बताते हुये कहा कि उनके जीवन से हमें सही कार्य करने का उद्देश्य मिला। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्यों ने सभी विद्यार्थियों को डॉटर्स डे की शुभकामनाएं दी और साथ ही लड़कों से लड़कियों के प्रति सम्मान एवं उनके लिए हर क्षण सुरक्षा की भावना जागृत करने की सलाह दी।

एस0के0डी0 एकेडमी के निदेशक मनीष सिंह ने छात्रों को अन्तर्मन से डॉटर्स डे की शुभकामनाएं दी। उन्होंने जोर देकर कहा की हमें पुघत्रियों की रक्षा, उनका सम्मान, हर क्षेत्र में आगे बढ़े व हमें मिलकर उनके प्रयास एवं उपलब्धि की सराहना करनी चाहिए। उन्होंने अभिभावकों को भी कहा कि हमें सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रम ''बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओं'' का पालन करना चाहिए।

चोरी के डिजिटल कैमरा और कागजात के साथ पांच गिरफ्तार, 18 दिन पूर्व हुई थी लूट की वारदात, बुधवार को दर्ज हुई

रिपोर्ट।

अयोध्या। कोतवाली पुलिस ने चोरी और साजिश के आरोप में पांच को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी का डेढ़ लाख कीमत का डिजिटल निकॉन कैमरा सेट,पैन कार्ड,एचडीएफसी बैंक पासबुक,आधार कार्ड व कैमरे के बिल की छाया प्रति बरामद की है। पीड़ित कोतवाली के लक्ष्मणघाट निवासी अजय पांडेय के साथ 18 दिन पूर्व साजिशन फोटोग्राफी कराने के नाम पर बुला महोबरा बाजार के निकट एक जलपान गृह के सामने मारपीट कर झोला छीन लिया गया था। हलांकि पैरवी के बाद सक्रिय पुलिस ने आरोपियों का पुख्ता सुराग मिलने के बाद चोरी की रिपोर्ट बुधवार को दर्ज की।

पुलिस ने 09 वारंटी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' स्थानीय थाना पुलिस ने शनिवार को गुप्त सूचना पर नौ वारंटियों को उनके घर से गिरफ्तार किया है। जनपद में अपराध नियंत्रण व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देश में चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी दुर्गेश सिंह के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी शाहाबाद हेमंत उपाध्याय के कुशल नेतृत्व में थाना पाली पुलिस टीम ने 09 वारंटी अभियुक्तों राधेश्याम व विनय कुमार पुत्र स्व0 जयराम निवासी ग्राम मुंडेर, दुर्विजय पुत्र मंगू कहार निवासी ग्राम बाटी,राजेश पुत्र रामस्वरूप निवासी ग्राम परेली, मसूद, महबूब व महमूद पुत्र हदियार खां निवासी मोहल्ला मलिकाना,छविराम पुत्र जगदीश निवासी ग्राम महमदापुर,विवेक पुत्र वीरेंद्र निवासी ग्राम सहजनपुर थाना पाली को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।

प्रभारी निरीक्षक धीरज कुमार शुक्ला ने बताया कि उक्त सभी 09 वारंटी अभियुक्तों को पाली पुलिस टीम प्रभारी निरीक्षक धीरज कुमार शुक्ला,उपनिरीक्षक अशोक कुमार, उपनिरीक्षक सूरज पाल सिंह, उपनिरीक्षक रमेश चन्द्र,कांस्टेबल असलम, कांस्टेबल विनय कुमार, कांस्टेबल अरूण कुमार, कांस्टेबल जयपाल, कांस्टेबल मोहित वन, कांस्टेबल तेजप्रताप,कांस्टेबल जितेंद्र ने उनके घर से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

निरीक्षण में मिली गन्दगी देख नाराज हुई सीएमओ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ लक्ष्मी सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जफराबाद स्थित नेहरूनगर का शनिवार को औचक निरीक्षण किया।उनके पहुंचते ही वहां अफरा तफरी मच गयी।

मुख्य चिकित्साधिकारी ने परिसर में गन्दगी देख कर नारजगी व्यक्त करते हुए उसे तत्काल साफ करवाने का निर्देश प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ राजीव कुमार को दिया।निरीक्षण के दौरान उन्होनें ड्यूटी रजिस्टर देखा।उसमें एक स्टॉप अनुपस्थित मिला।जिस पर डॉ राजीव कुमार ने बताया कि वह बीएम क्षेत्रीय ड्यूटी पर गया है।भूलवश वह रजिस्टर पर बाहर जाने की बात नही लिख कर गया है।इसके अलावा सीएमओ लक्ष्मी सिंह ने सफेद राशन कार्ड वालों का आयुष्मान कार्ड की संख्या 45 देख कर वह काफी कड़े तेवर में आ गयी।उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द आयुष्मान कार्ड की संख्या को बढ़ जाना चाहिये।इस बारे में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ राजीव कुमार ने बताया कि गन्दगी को तत्काल साफ करवाया जा रहा है।आयुष्मान कार्ड नेट स्लो होने के कारण कम बन रहा है।नेट सही होते ही ज्यादा से ज्यादा लोगो का आयुष्मान कार्ड बनने लगेगा।

आयुष्मान भव योजना के तहत ८०० लाभार्थियों का बना आयुष्मान कार्ड

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाए जा रहे आयुष्मान भव के तहत सभी हेल्थ वेलनेस सेंटरों पर स्वास्थ्य परीक्षण के साथ आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है।इसी क्रम में महराजगंज ब्लॉक अंतर्गत 14 हेल्थ वेलनेस सेंटर क्रमशः कंधी,केवटली, पूरागंभीरशाह,ढेमा,डालू रायपुर,खजुरन,गद्दोपुर,राजा बाजार,रामनगर,लोहिन्दा, पूरालाल,उमरी कला,सीड़ में

क्लीनिकल सपोर्ट ऑफिसर (सीएसओ) द्वारा 800 सौ लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया साथ ही मरीजों की जाँच कर दवाएं भी मुहैया कराई जा रही है।महिलाओं के गर्भावस्था, प्रसवकालीन परामर्श टीकाकरण एवम परिवार नियोजन सबंधी परामर्श दिया जा रहा है।सीएचसी अधीक्षक डॉ ओमकार भारती ने बताया कि आयुष्मान कार्ड के बारे में परामर्श और मुफ्त इलाज की सुविधा साथ ही लोगों के बीच स्वास्थ्य को लेकर व्यापक जागरूकता का प्रसार सभी सेंटरों पर किया जा रहा है।

सरायख्वाजा का एतिहासिक भादोछठ् मेला आज से

जौनपुर। सरायख्वाजा का ऐतिहासिक भादोछठ मुख्य मेला रविवार को लगेगा जबकि मेला शुरू हो गया है। जिसकी तैयारी पूरी होने का जिम्मेदारों ने दावा किया है। सुबह 4 बजे से ही लोग सूरज कुंड में स्नान करेंगे और भीड़ बढ़ने पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय से रूट डायवर्जन किया जाएगा।

सरायख्वाजा का ऐतिहासिक भादोछठ मुख्य मेला 24 सितंबर दिन रविवार को होगा। जिसके लिए सूरजकुंड तालाब की साफ–सफाई ग्राम प्रधान रैना सिंह ने कराया है और सड़क के दोनों पटरी को जेसीबी मशीन से 2 किलोमीटर के अंतराल तक साफ सफाई कराया। सूरजकुंड तालाब में नहाने के लिए बैरिंग केटिंग की गई है। आस्था का प्रतीक सूरजकुंड तालाब में मान्यता है कि नहाने से चर्म रोग दूर होते हैं। जिसमे नहाने के लिए दूसरे जनपदों व प्रदेशो से लोग आते हैं और सूरजकुंड में आस्था की डुबकी लगाते हैं। भादोछठ के इतिहासिक मेला कृषि यंत्रों के लिए भी जाना जाता है, जो किसान मेला भी कहा जाता है। हालांकि पहले यह मेला सप्ताह भर पूर्व से शुरू हो जाता था, लेकिन सड़क पर अतिक्रमण आबादी बढ़ने के चलते मेला अब रविवार को सिमट कर रह गया है, जबकि कृषि यंत्रों का आगे दो तीन दिन तक मेला चलता रहता है।

थानाध्यक्ष का कहना है कि मेले के लिए पुलिस व्यवस्था की गई है, जो मेले में व्यवस्थाओं की निगरानी रखेगी। अगर भीड़ बढ़ी तो पूर्वांचल विश्वविद्यालय करंजाकला मल्हनी मार्ग होते हैं कोरीडीहा के लिए डायवर्जन कर दिया जाएगा। इसकी भी तैयारी की गई है। बैरियर लगाया जा रहा है

गोदाम में सो रहे व्यक्तिको लाठी डंडा से पीटा

चार अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर खुटहन थाना क्षेत्र के बड़नगरपुर गांव के खेतासराय मार्ग पर एक भवन में संचालित टेंट हाउस की दुकान की रखवाली को गोदाम में सो रहे उसके मालिक पर शुक्रवार की रात चार अज्ञात बदमाशों ने लाठी डंडा से हमला कर दिया। घायल के शोर मचाने पर मौके की तरफ ग्रामीणों को आने की आहट पाकर बदमाश अपने चार पहिया वाहन से खेतासराय की तरफ भाग गए। पुलिस ने अज्ञात चारों आरोपितों के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट,जान से मारने की धमकी सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। बड़नपुर गांव निवासी दिग्विजय सिंह टेंट हाउस का कारोबार करते हैं। वे रोज की तरह शुक्रवार की शाम घर से खाना खाकर टेंट के गोदाम में सोने चले आए। गर्मी तेज होने के चलते उन्होंने गोदाम का शटर ऊपर उठा दिया। आधी रात को चार की संख्या में पहुंचे अज्ञात बदमाशों ने उनकी पिटाई शुरू कर दिया। जिससे वे घायल हो गए। उन्होंने थाने में चार अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इस रोड से रात में अक्सर पशु तस्करों के वाहन पार होते रहते हैं। यह स्थान सुनसान भी रहता है।अंदेशा है कि यहां दिग्विजय को रात्रि में सोने से उन्हें पशुओं को लादने उतारने में दिक्कत होती रही होगी। दहशत फैलाने के उद्देश्य से इन्हीं तस्करों के द्वारा घटना को अंजाम दिया गया होगा। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

बीआरसी पर विकासखंड स्तरीय श्रुतलेख प्रतियोगिता हुई आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मछलीशहर तहसील अंतर्गत भाषाई कौशल विकास पर बल देने के लिए विकासखंड के सभी शिक्षक बच्चो में श्रुतलेख को शुद्ध रखने और गति के लिए प्रोत्साहित करे।हिंदी में भाषा श्रुतलेख बहुत आवश्यक है। उक्त बातें खंड शिक्षा अधिकारी वसंत कुमार शुक्ला ने विकासखंड स्तरीय श्रुतलेख प्रतियोगिता के शुभारंभ करते हुए बच्चों, शिक्षको और अभिभावकों के संबोधित करते हुए कहा।

डायट प्राचार्य द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक डॉक्टर संतोष तिवारी पर ने प्रतियोगिता को सुचित पूर्ण ढंग से संपन्न कराया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक कक्षा से चयनित दो दो प्रतिभागी की सूची जनपद मुख्यालय भेजी जाएगी।कक्षा 3, 5,और 8 के प्रतीभागियो में से विकासखंड से चयनित 6 विद्यार्थियों को जनपद स्तर पर परीक्षा के लिए चयनित किया गया है। कार्यक्रम में एआरपी शिवाकांत तिवारी, डॉक्टर राजेश यादव, अमला प्रसाद यादव, अरविंद मिश्र, प्रताप यादव, बृजलाल, आनंद प्रकाश, माहेश्वरी मिश्र,नित्यानंद तिवारी, लक्ष्मी शंकर, लाला मोहम्मद सहित अन्य संकुल प्रभारी एवम शिक्षक प्रतिभाग किए।

पहली बार एक ही छत के नीचे तैयार हुई 500 इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाएं

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। देश भर में गणेशोत्सव की धूम है और वातावरण उत्सव और भक्ति से सराबोर है। उत्सव की इसी भावना को बढ़ाते हुए 23 सितंबर को शालीमार गेटवे मॉल में मिट्टी से इको–फ्रेंडली गणेश प्रतिमा बनाने की एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में भाग लेने के लिए एक ही छत के नीचे 500 बच्चे एकत्र हुए। इन 500 बच्चों में से 120 बच्चे एक एनजीओ से थे, जिन्हें कलात्मक प्रतिभा को निखारने और प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर मिला। इको–फ्रेंडली मूर्ति बनाने की वर्कशॉप का आयोजन बच्चों को मिट्टी का उपयोग करके गणेश मूर्तियों को तैयार करने की कला से परिचित कराने के लिए किया गया था। बच्चों ने न केवल मिट्टी के साथ रचनात्मक प्रक्रिया सीखी, बल्कि आकर्षक गणेश कथाओं की कल्पना में भी डूबे रहे। इन बच्चों ने उत्साहपूर्वक कार्यशाला में भाग लिया और मिट्टी का उपयोग करके सुंदर गणेश मूर्तियां बनाईं और उन्हें बहुत ही रचनात्मक तरीके से सजाया। बच्चों ने कला का एक नया रूप सीखा, प्रकृति के प्रति प्रेम, रीसाइक्लिंग और रियूज के महत्व को समझा। वर्कशॉप का माहौल रचनात्मकता और उत्सव से भरा था। शालीमार कॉर्प के निदेशक श्री कुणाल सेठ ने सफल कार्यशाला पर टिप्पणी करते हुए कहा, ष्हमारा मानना है कि वर्तमान पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने के लिए जागरूक करना करना, उन्हें पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करना और उनमें घर पर इको–फ्रेंडली मूर्तियां बनाने का जुनून पैदा करना बहुत महत्वपूर्ण है। इस आयोजन के माध्यम से इन यंग लीडर्स को पर्यावरण के अनुकूल गणेश चतुर्थी मनाने और पारिस्थितिक संतुलन के विचार को बढ़ावा देने और प्रदूषण को कम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

हर्षोल्लास और गुलाल के साथ गणपति का हुआ विसर्जन, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली –(हरदोई)' नगर में कई दिनों से चल रहे गणेश महोत्सव में काफी संख्या में लोगों ने शामिल होकर भगवान श्री गणेश का आशीर्वाद लिया। दूर दराज जिले से आए कलाकारों ने अपने द्वारा दिखाई गई झांकिया से लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंतिम दिन शनिवार को गाजे बाजे के साथ नगर के विभिन्न मोहल्लो से होते हुए गणपति बप्पा मोरया के नारों और रंगों की होली के साथ गणपति की मूर्ति का विसर्जन गरुण गंगा नदी तट पर किया गया। विसर्जन के दौरान लोगों ने जमकर भगवान श्री गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगाए। इस बाबत समाजसेवी श्याम मोहन मिश्रा ने बताया नगर के मोहल्ला खारा कुआं दुर्गा मंदिर पर गणेश महोत्सव प्रतिवर्ष की भाति इस वर्ष बड़े धूमधाम से मनाया गया मंदिर कमेटी के अध्यक्ष गोपाल बाजपेयी ने गणेश महोत्सव को भव्यता प्रदान करने के लिए बड़ी कोशिश की जिसकी नगर के लोग काफी सराहना भी कर रहे हैं। वहीं थाना पाली पुलिस व थाना पचदेवरा पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के प्रति काफी सतर्क व चौकन्ना दिखाई दी। पाली थाना प्रभारी निरीक्षक धीरज कुमार शुक्ला तथा पचदेवरा थाना प्रभारी निरीक्षक विद्यासागर पाल अपनी पुलिस टीम के साथ पूरी तरीके से सतर्क दिखाई दिए। पुलिस ने हर गतिविधि पर अपनी नजर रखी।इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक श्री शुक्ला ,अतिरिक्त निरीक्षक वासुदेव यादव, कस्बा इंचार्ज अशोक सिंह, गुंजन गिल आदि पुलिस कर्मियों ने गणेश मूर्ति विसर्जन महोत्सव पर चारों ओर अपनी नजर बनाए रहे। जिससे कि कोई अप्रिय घटना घटित न होने पाये।

3630 लाभार्थियों ने आयुष्मान भवः मेला केन्द्रों पर आकर लिया लाभ

सीएमओ डॉ जैन ने कई केन्द्रों का किया निरीक्षण

अयोध्या। सीएमओ डॉ संजय जैन ने आयुष्मान भवरू मेला केन्द्रों का निरीक्षण कर वहां पर मौजूद कर्मियों को निर्देश दिए।सीएमओ डॉ जैन ने मंडलीय परियोजना प्रबंधक एवं जनपद क्वालिटी कंसल्टेंट के साथ मसौदा ब्लॉक के दराबगंज,मुमताज नगर एवं रायगंज हेल्थ एंड वेल सेंटर पर निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पर मौजूद आशा,आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को अपने कार्य के प्रति सजग रहने के निर्देश दिए। जिले के अन्य हेल्थ एंड सेंटर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (आरसीएच), डीसीपीएम , अन्य अधिकारियों ने भी निरीक्षण किया। रविवार को सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयुष्मान भवरू मेला का एवम सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मुख्यमंत्री जनारोग्य मेला का आयोजन किया जाएगा।शनिवार को जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के 244 हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर व शहरी क्षेत्रों में 6 हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर पर आयुष्मान भवरू मेले का आयोजन हुआ।इस मेले में आए लोगों का वजन कर उनका ब्लडप्रेशर,शुगर की जांचो के अलावा 16 अन्य जांचें की गई।गर्भवती महिलाओं की एएनसी की जांच की गई,जरुरत पड़ने पर उनको दवाए भी उपलब्ध कराई गई।इस मेले में पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए।कुछ लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रिफर किया।मेले में ग्रामीण क्षेत्र में लगभग 3500 लाभार्थियों ने स्वास्थ्य लाभ लिया एवं शहरी क्षेत्र में लगभग 130 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।

एसडीएम सोहावल की अध्यक्षता मे मिशन इन्द्रधनुष अभियान को लेकर बैठक सम्पन्न

अयोध्या। आगामी सघन मिशन इन्द्रधनुष टीकाकरण को सफल बनाने के लिए एसडीएम सोहावल की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई।इस बैठक में ब्लाक मसौधा और सोहावल सीएचसी के अधीक्षक ब्लाक प्रोग्राम प्रबंधक अफजल,सावित्री पाण्डेय बाल विकास परियोजना मसौधा,बीईओ शैलेन्द्र कुमार,सहायक विकास अधिकारी जीशान हैदर,नगर पंचायत भदरसा ईओ,सप्लाई इंस्पेक्टर,एचईओ सोहावल,फील्ड मॉनिटर डब्ल्यू एच ओ राम शंकर पाण्डेय,एफ एम डब्ल्यू एच ओ ब्लॉक सोहावल मौजूद रहे।बैठक मे ब्लॉक मोबिलाइजेसन कोआडिनेटर यूनिसेफ धीरेन्द्र नाथ पाण्डेय ने वहां पर मौजूद लोगों को बताया कि इस अभियान में जीरो से पांच साल के ऐसे बच्चे को 12 जानलेवा बीमारियों से बचाव के टीकाकरण होना है।जिसमे मुख्य रुप से टी. बी,खसरा,रुबेला,पोलियो, पीलिया,गला घोंटू,काली खांसी,टेटनस,निमोनिया, दिमागी बुखार,दस्त सहित अन्य बीमारी है। जिसकी रोक थाम के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिनका भी पूर्व मे टीका छूट गया है,वही इसके साथ ही साथ गर्भवती महिलाओ को टेटनस के टीके लगेंगे। बैठक में ब्लॉक मसौधा अगस्त का टीकाकरण से कुल 114 ऐसे बच्चे हैं जिनके परिजन ने टीकाकरण करने से मना कर दिया था। जिनमे से 102 बच्चों को उम्र के अनुसार टीका लगना था।वही 56 बच्चों को टीका लगा।बीआरटी द्वारा 09, सुपरवाइजर द्वारा 06,बीएमसी द्वारा 25,एएनएम आशा द्वारा 16 और 52 नए बच्चे को चिन्हित किया गया।ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर अफजल ने बताया इस अभियान को सफल बनाने में सभी विभाग का सहयोग चाहिए,और सभी विभाग को दोनों तरह के माइक्रोप्लान शीघ्र दें दिया जाएगा।बैठक में विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ द्वारा माह जुलाई 23 मे संचारी ध् दस्तक अभियान की मॉनिटरिंग का फीडबैक शेयर किया गया।

आने वाले दशकों में सामने आने वाले विकास के अवसरों पर प्रकाश डाला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आई0आई0एल0एम0 एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग, गोमती नगर, लखनऊ जो कि प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में एक स्थापित नाम है, ने दिनांक 23 सितम्बर, 2023 को अपना 18वाँ दीक्षांत समारोह ऐतिहासिक रूप से मनाया एवं पी0जी0डी0एम0 के स्नातक बैच को डिप्लोमा और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इसमें बैच 2021–23 के छात्रों को उपाधियाँ प्रदान की गईं।

इस गरिमामय अवसर पर मुख्य अतिथि राहुल राही, क्षेत्रीय निदेशक, लखनऊ क्षेत्र, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेडय सम्मानित अतिथि डॉ. संजय कुमार सिंह, प्रोफेसर, आईआईएम, लखनऊय डॉ. सुजाता शाही, कुलपति, आईआईएलएम विश्वविद्यालय, गुरुग्रामय और अजय कुमार सिंह, उपाध्यक्ष, आईआईएलएम विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा सहित सम्मानित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में, राहुल राही, क्षेत्रीय निदेशक, लखनऊ क्षेत्र, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, और अजय कुमार सिंह, उपाध्यक्ष, आईआईएलएम विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा ने एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पीजीडीएम छात्रों को प्रदान किया और दीक्षांत भाषण दिया।

डॉ. शीतल शर्मा, डीन एकेडमिक्स, आईआईएलएम, लखनऊ ने सभी सम्मानित अतिथियों, पुरस्कार विजेताओं, अभिभावकों, मीडिया के सदस्यों और छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने व्यावसायिक शिक्षा के दो वर्षों के दौरान आईआईएलएम द्वारा प्रदान किए गए मूल्यवर्धित अनुभवों के बारे में विस्तार से बताया, जिसकी परिणति अग्रणी संगठनों में आईआईएलएम के छात्रों के लिए उत्कृष्ट प्लेसमेंट के रूप में हुई है। डॉ. शीतल शर्मा ने 2023 की कक्षा के लिए शैक्षणिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की।

डॉ. संजय कुमार सिंह, प्रोफेसर, आईआईएम, लखनऊ और डॉ. सुजाता शाही, कुलपति, आईआईएलएम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम ने उच्च उपलब्धि हासिल करने वाले छात्रों को पदक प्रदान किए।

कुल 61 पीजीडीएम छात्रों ने अपने स्नातक प्रमाणपत्र और पदक प्राप्त किए, जो गर्व और पुरानी यादों को उजागर कर रहे थे। निम्नलिखित तालिका अकादमिक उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं का सारांश प्रस्तुत करती हैरू

बैच

गोल्ड

सिल्वर

ब्रान्ज

पीजीडीएम (कोर) 2021–2023

रिया जायसवाल

शुभम् चौरसिया

हर्षित भट्ट

पीजीडीएम (एफएम) 2021–2023

हितेष कुमार मौर्य नूरीन अशफाक

शिवानी अग्रवाल

प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ एससीओपी पुरस्कार श्रेया गुप्ता और यश वर्मा को प्रदान किया गया, जबकि सर्वश्रेष्ठ एसआईपी पुरस्कार नूरीन अशफाक और यश वर्मा को दिया गया।

अपने दीक्षांत भाषण में, मुख्य अतिथि राहुल राही, क्षेत्रीय निदेशक, लखनऊ क्षेत्र, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने सभी स्नातक छात्रों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने स्नातकों को सफलता के विभिन्न मंत्र दिए, साथ ही उन्हें बातचीत, इंटर्नशिप आदि के माध्यम से अपने अल्मा मेटर में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सम्मानित अतिथि डॉ. संजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में आने वाले दशकों में सामने आने वाले विकास के अवसरों पर प्रकाश डाला और अपने विशाल अनुभव से व्यावहारिक उपाख्यानों को साझा किया।

इस कार्यक्रम के समग्र संकाय समन्वयक प्रोफेसर तौसीफ इरफान, एरिया चेयर (ऑपरेशंस एंड एनालिटिक्स), और परीक्षा नियंत्रक थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं सरकारी चिकित्सा केंद्रों पर स्वास्थ्य शिविरों का उद्घाटन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से चल रहे सेवा पखवारा (आयुष्मान पखवारा) के तहत जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं सरकारी चिकित्सा केंद्रों पर स्वास्थ्य शिविरों का उद्घाटन हुआ।

दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविरों के साथ ही आयुष्मान कार्ड पंजीकरण एवं वितरण अभियान का भी उद्घाटन जिलाध्यक्ष सांसदों, विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। उक्त केंद्रों पर आयुष्मान कार्ड बनाने एवं वितरण का कार्य 2 अक्टूबर तक चलेगा। सवायजपुर के शिविर का उद्घाटन विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू ने, शाहाबाद में उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने, बावन में आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने एवं अन्य सभी विधानसभाओं के शिविर उद्घाटन क्षेत्रीय विधायकों द्वारा सम्पन्न हुए। जिला अस्पताल (मेडिकल कॉलेज) में स्वास्थ शिविर का उद्घाटन जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने किया। नगर पालिका अध्यक्ष सुख सागर मिश्रा, जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा, कोषाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ अनुज गुप्ता, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष आकाश सिंह, जिला, जिला मंत्री नीतू चंद्रा,नगर अध्यक्ष अजीत उपाध्याय, महामन्त्री पंकज सिंह, उपाध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह, सुमित त्रिपाठी, निधि सिंह, नगर मंन्त्री रानू गुप्ता, बॉबी ओमर, योगेंद्र सिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला चिकित्सालय के उद्घाटन में सीएमएस व अन्य चिकित्सक सहित सभी समुदायक स्वास्थ्य केंद्रों पर केंद्र प्रभारियों सहित अन्य चिकित्सक मौजूद रहे।

सयुक्तरूप से अभियान चलाकर समस्त सरकारी भूमि कब्जा मुक्तकरायें- जिलाधिकारी

क्षेत्र में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए अपराधी, असामाजिक, अराजक तत्वों आदि पर विशेष नजर रखें - पुलिस अधीक्षक

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

हरदोई– थाना पिहानी एवं हरियावां में आहूत सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने सरकारी एवं अन्य भूमि पर अवैध कब्जों की शिकायतों के सम्बन्ध में उपस्थित कानूनगो, लेखपाल एवं थानाध्यक्ष को निर्देश दिये कि गांव में सरकारी तथा गरीबों की पट्टे की भूमि पर अवैध करने वालों के विरूद्व सयुक्त रूप से अभियान चलाकर कार्यवाही करें और समस्त सरकारी भूमि कब्जा मुक्त करायें। जिलाधिकारी ने कहा कि गांव के छोटे–छोटे मामलों का निस्तारण लेखपाल, सचिव तथा बीट सिपाही आदि गांव चौपाल का आहूत कर उन शिकायतों का निस्तारण आपसी सुलह समझौते के आधार पर करायें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र गोस्वामी ने कहा कि गांव की समस्याओं का समाधान राजस्व तथा पुलिस विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर करायें और प्रत्येक गांव की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए गांव के चौकीदार और बीट सिपाही से प्रतिदिन आख्या ली जायें। उन्होने थानाध्यक्ष को निर्देश दिये कि क्षेत्र में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए अपराधी, आसामाजिक, आराजक तत्वों आदि पर विशेष नजर रखें।

बिन आरक्षण नही बढ़ेगा महिलाओं का प्रतिनिधित्व

संवाददाता

लखनऊ। महिला आरक्षण बिल कब होगा, साफ नहीं लेकिन एनडीए बनाम इंडिया के बीच इस बिल को लेकर नए दांवपेंच देखने को जरूर मिलेंगे।2023 में होने वाले लोकसभा चुनाव में दोनों गठबंधनों में महिलाओं का समर्थन हासिल करने मि होड़ होगी।

मजबूत इच्छा शक्तिसे जनपद की खिलाड़ी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का बढ़ाया मान

रुचि जैसी प्रतिभावान खिलाड़ी अन्य दिव्यांगों के लिए प्रेरणा स्रोत:- जिलाधिकारी

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

हरदोई– मजबूत इच्छाशक्ति से कठिन से कठिन लक्ष्य भी हासिल किया जा सकता है। इस पंक्ति को हरदोई की रुचि त्रिवेदी ने चरितार्थ किया है। रुचि को बचपन से ही दाहिने पैर में पोलियो है। आज उन्होंने कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह से मुलाकात की। जिलाधिकारी ने इंडोनेशिया पैराबैडमिंटन इंटरनेशनल उनकी हालिया उपलब्धि के लिए उन्हें सम्मानित किया। रूचि ने इंडोनेशिया के सोलो में 5 से 10 सितंबर तक चलने वाले टूर्नामेंट में सिंगल्स व मिक्स डबल्स में कांस्य पदक जीता है। जिलाधिकारी ने रूचि को बधाई देते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि रुचि ने जनपद व देश का सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने खिलाड़ी को खिलाड़ी को खेल का सामान व हर संभव सहायता का भरोसा दिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र गोस्वामी भी उपस्थित रहे। रुचि का परिवार रामदत्त चौराहा बैटगंज में निवास करता है। उनके पिता विजय नरायन त्रिवेदी खस्ता–कचौड़ी की दुकान लगाते हैं। माता लता त्रिवेदी गृहणी हैं। माता–पिता ने सदैव आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। रुचि वर्तमान में गौरव खन्ना एकेडमी से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उनके कोच गौरव खन्ना उनका आर्थिक सहयोग भी करते हैं। रुचि की नेशनल रैंकिंग वर्तमान में 3 व विश्व रैंकिंग 23 है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।